751111

S–156(A)

B. A. (First Semester)

EXAMINATION, 2022-23

HINDI LITERATURE

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

(SOACL/HINDI/CC—001)

Time : Two Hours] [*Maximum Marks : 70*

नोट : (i) खण्ड 'अ' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के और खण्ड 'ब' से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) खण्ड 'अ' के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों तक सीमित रखें।

(iii) अपने सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिये। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

P. T. O.

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड—अ

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।

1. "भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग है।" सिद्ध कीजिए।
2. कबीर में रहस्यवाद की स्थिति स्पष्ट कीजिए।
3. रामचरितमानस में कितने काण्ड हैं ? मानस के सभी काण्डों के नाम लिखिए।
4. "सूर वात्सल्य रस के सम्राट हैं।" समीक्षा कीजिए।
5. भक्तिकालीन काव्य में सगुण और निर्गुण की व्याख्या कीजिए।
6. "घनानन्द प्रेम की पीर के कवि हैं।" इस कथन का परीक्षण कीजिए।
7. मीराबाई के जीवन-चरित पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ब

नोट : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है।

1. "सूर का 'भ्रमरगीत' वचनवक्रता, भावुकता और उपालम्भ की दृष्टि से एक उच्चकोटि का काव्य है।" सिद्ध कीजिए।

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner

2. "बिहारी ने गागर में सागर भरा है।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

3. तुलसी के समन्वयवाद पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

4. समाज सुधारक के रूप में कबीर का मूल्यांकन कीजिए।

5. "भूषण वीर रस के कवि होने के साथ-साथ राष्ट्रीय कवि भी हैं।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश की सन्दर्भ और प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

ऊधो मन न भए दस बीस।
एक हुतौ सो गयौ स्याम-संग, को अवराधै ईस॥
इन्द्री सिथिल भई केशव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के सकल जोग के ईस।
सूर हमारे नंदनंदन बिनु, और नाहिं जगदीस॥

अथवा

पीछे लागा जाय था, लोक वेदि के साथि।
आगे थैं सतगुरु मिल्या, दीपक दीया हाथि॥
सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़ियाँ, अनंत दिखावन हार॥

StudyHub HNBGU
WECUT - VIDEO EDITOR
Scanned with OKEN Scanner